

**न्यायालय, अनुमंडल दण्डाधिकारी, बगोदर-सरिया (गिरिडीह)**

साधो राय प्रथम पक्ष

बनाम

देबी भट्टे द्वितीय पक्ष

वाद संख्या 20/2021

धारा 145 2050 सं०

अनुसूची-14 फारम 10 562

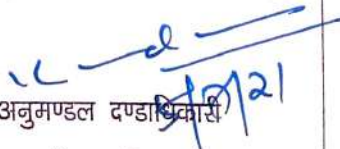
**आदेश-पत्रक**

(दिखें अभिलेख हस्तक 1941 का नियम 129)

आदेश सं० क. ता० ..... से ..... तक

जिला ..... सं० ..... सन् 20.....

केस का प्रकार .....

आदेश की क्रम सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
5/7/2021	<p align="center">आवेदक/अवेदिका <u>साधो राय</u> पिता/मति ..</p> <p><u>पुना राय</u> ग्राम <u>पुरनीडीह</u></p> <p>थाना <u>सरिया</u> जिला <u>गिरिडीह</u> द्वारा</p> <p>दं० प्र० सं० की धारा 145 के अंतर्गत विवादित भूमि मौजा <u>रतनाडीह</u></p> <p>खाता <u>2, 10, 21</u> प्लॉट <u>10, 12, 11</u></p> <p>रकबा <u>50 बी० 10 बी० 58 बी०</u> चौहद्दी : उ०-<u>पुना राय देव गोपाल भट्टे</u></p> <p>द०-<u>नील, पुना राय</u> पू०-<u>नील</u></p> <p>प०-<u>राधा, पुना राय</u> में भू-विवाद के कारण आवेदन दिया गया है। प्राप्त आवेदन पर जाँच/मंतव्य अंचल अधिकारी <u>सरिया</u> थाना प्रभारी <u>सरिया</u> से माँगें।</p> <p align="center">अभिलेख दिनांक <u>20/7/2021</u> को उपस्थापित करें।</p> <p align="right">                       अनुमंडल दण्डाधिकारी                      बगोदर-सरिया।                 </p>	<p align="center">198</p> <p align="center">5/7/2021</p>

C.C. Issued  
 07/09/2021  
 3055/2021

1

2

3

26/7/21

उभयपक्ष द्वारा द० प्र० सं० की धारा 145 के अंतर्गत डिग्रीप पत्र (देवकी महल एवं मन्प) के विरुद्ध चर्पवाही प्रारंभ करने का मन्सूरीय विद्या जपाना। उक्त आवेदन के आलोक में धाना प्रभारी/मन्सूरीय अधिकारी सरिपा से प्रतिवेदन/मन्सूरीय की मांग की जाई थी।

धाना प्रभारी सरिपा के अर्थात् 2003/21 दिनांक 21/7/2021 के द्वारा प्रतिवेदन समर्पित विद्या जपाना। जॉय प्रतिवेदन के आलोक में बाद में संतुष्ट हैं कि भूमि के दखल-कब्जा हो लेना उभयपक्षों में शांति भंग देने की जायंका है एवं उभयपक्ष एक-दूसरे के विरुद्ध हैं, जिसे कारण उस क्षेत्र में शांति भंग खून-खराबा तथा उपद्रव हो सकता है, जो मेरे अधिकार क्षेत्र में आता है। इस आधार से मैं संतुष्ट हैं कि इस मामले में दखल-कब्जा को इन्होंने तथा अर्थात् में शांति बनाये रखने के लिए निरोधालय के द्वारा आवश्यक है।

इन तथ्यों के आलोक में उभयपक्षों के विरुद्ध धारा 145 द० प्र० सं० के अंतर्गत चर्पवाही प्रारंभ विद्या जाता है तथा उभयपक्षों से दिनांक 10/08/21 को प्रण-पृच्छा की मांग की जाती है। क्यों नहीं पक्ष विशेष के पक्ष में दखल-कब्जा सम्पुष्ट कर दिया जाये।  
विवादाग्रस्त भूमि का विवरण

गौजा-रतनाडीह खाल सं०- 2 10, 21 खोटे सं०- 10, 12, 11, 2 खबा- 50 डी०, 10 डी०, 58 डी० कुल खबा- 1.18 एकड़ चौकड़ी उत्तर- पुनाराप, हांड जोपाल महल, दक्षिण- नीज, पुनाराप, पूरब- नीज, पश्चिम- रासग, पुनाराप।

26/7/21  
अनु० द० प्र० सं०  
अधीन- सरिपा।

30/5/23

प्रथम पक्ष बकाबहन दामि (डिप्टी पक्ष उपर)

उभय पक्ष के विरुद्ध अधिवक्ता को सुना।

डिप्टी पक्ष के विरुद्ध अधिवक्ता द्वारा बताया गया कि प्रथम पक्ष के माफो राय की मूल्या हो गई है तथा वे नाबलद हैं। इस परिस्थिति में किलों को प्रतिस्थानी बनाना भी संभव नहीं है। अतः वाद की कार्यवाई सम्पन्न की जाये।

डिप्टी पक्ष का आगे कहना है कि प्रथम पक्ष का कानूनी वादिस तय नहीं हुआ है।

प्रथम पक्ष के द्वारा CPC Order XXII rule 4A के तहत आवेदन भी दारिकल नहीं किया है।

उक्त विवेचन के आलोक में वाद की कार्यवाई सम्पन्न की जाती है।

८  
अधीश.

SDM.